Directorate of Distance Education

(B.R.A. Bihar University, Muzaffarpur)

P.G. 1st Semester Examination 2016

January Session 2016-18

Sub:- Hindi (Paper 1)

Model Papers

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

खण्ड 'क' (प्राचीन काव्य)– एक प्रश्नोत्तर– एक व्याख्या अपेक्षित

(1) पृथ्वीराज रासो के काव्य-सौष्ठव का विवेचन कीजिए।
(2) पृथ्वीराज रासो के कैमास-कर्णाटी प्रसंग का मूल्यांकन कीजिए।
(3) 'सन्देशरासक' के वैशिष्ट्य का रेखांकन कीजिए।
(4) विद्यापति की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।
(5) विद्यापति के विरह-वर्णन की मार्मिकता पर विचार कीजिए।

व्याख्याएँ

(i) नंदक नंदन कदम्बेरि तरु-तर, धिरे-धिरे मुरली बोलाव।
समय सँकेत-निकेतन बइसल, बेरि-बेरि बोलि पठाव।।

(ii) पीन पयोधर दूबरि गता, मेरु उपजल कनक लता।

(iii) जहँ-जहँ पदजुग धरई। तहिं-तहिं सरोरुह झरई।
जहँ-जहँ झलकए अंग। तहिं-तहिं बिजुरि तरंग।

(iv) आएल ऋतुपति राज वसंत। धाओल अलिकुल माधवी-पंथ।
दिनकर-किरन भेल पौगंड। केसर कुसुम धएल हेमदंड।।

खण्ड-'ख' (मध्यकालीन काव्य) – एक प्रश्नोत्तर - दो व्याख्याएँ अपेक्षित

(1) 'कबीर वाणी के डिक्टेटर थे' - इस कथन के औचित्य पर विचार कीजिए।
(2) कबीर की रहस्यानुभूति पर प्रकाश डालिए।
(3) 'जायसी का विरह-वर्णन हिन्दी-साहित्य की उपलब्धि है' - इस कथन के औचित्य पर विचार कीजिए।
(4) तुलसी की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।
(5) 'चित्रकूट-सभा' के वर्णन में तुलसी का काव्यत्व अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँच गया है' – इस कथन की समीक्षा कीजिए।
(6) भ्रमरगीत के भाव-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।
(7) 'बिहारी सतसई' के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।
(8) घनानन्द के काव्य-सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

व्याख्याएँ –

(i) अवधू मेरा मन मतिवारा, उन्मनि चढ़ा मगन रस पीवै त्रिभुवन भया उजियारा।

(ii) पंडित बाद बदंते झूठा।
राम कहाँ दुनिया गति पावै, खाँड कहाँ मुख मीठा।

(iii) जिन्ह घर कंता ते सुखी, तिन गारो कौ गर्ब।
कंत पियारा बाहिरै, हम सुख भूला सर्ब।।

(iv) नहिं पावस ओहि देसरा, नहिं हेवंत बसंत।
ना कोकिल न पपीहरा, जेहि सुनि आवै कंत।।

(v) अँखियाँ हरि दरसन की भूखी,
कैसे रहै रूप रस राँची ये बतियाँ सुनि रूखी।।

(vi) निसिदिन बरसत नैन हमारे,
सदा रहति पावस ऋतु हम पै जब तैं स्याम सिधारे।।

(vii) मिलनि प्रीति किमि जाइ बखानी। कबिकुल अगम करम मम बानी

(viii) मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाँई परै, स्यामु हरित दुति होइ।।

(ix) कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात,
भरे भौन में करत हैं, नैनन ही सब बात।।

(x) जिन अँखियनि रूप चिखारी भई तिनकौ नित नींद ही जागनि है,
हित पीर सों मूरित जो हियरा फिर ताहि कहौ कहाँ लागनि है

लघूत्तरीय – (दो के उत्तर अपेक्षित)

(1) अमीर खुसरो का महत्व (2) रहीम के नीतिपरक दोहे (3) नन्ददास की भक्ति भावना (4) नन्ददास की रचनाएँ (5) रैदास की भक्ति-भाव (6) देव की रचनाएँ (7) भूषण का महत्व (8) मतिराम का महत्व

वस्तुनिष्ठ – (दस के उत्तर अपेक्षित)

(i) मैथिल कोकिल किसे कहा जाता है (ii) 'कीर्तिपताका' किसकी रचना है? (iii) 'गोरक्षविजय' किसकी रचना है (iv) साखी का अर्थ क्या है? (v) रमैनी का अर्थ क्या है? (vi) 'अखरावट' किसकी रचना है (vii) 'आखिरी कलाम' किसकी रचना है (viii) साहित्य लहरी किसकी रचना है? (ix) 'बरवै नायिका भेद' किसकी रचना है? (x) 'कवितावली' किसकी रचना है? (xi) तुलसी की भक्ति किस भाव की है? (xii) 'शब्दरसायन' के रचयिता कौन हैं? (xiii) 'यमुना लहरी' किसकी कृति है? (xiv) 'नगरशो' किसकी रचना है? (xv) 'अगद्विनोद' किसकी रचना है? (xvi) 'गंगालह' किसकी रचना है? (xvii) 'विरह वारीश' किसकी रचना है? (xviii) 'स्नेही' किसकी रचना है? (xix) 'अभिनव कालिदास' किसे कहा जाता है? (xx) 'अक्षर कामधेनु' किसे कहा गया है?

—o—

Directorate of Distance Education

(B.R.A. Bihar University, Muzaffarpur)

P.G. 1st Semester Examination 2016

January Session 2016-18

Sub:- Hindi (Paper 2)

Model Papers

कथा साहित्य

खण्ड क – कहानी एक प्रश्नोत्तर – एक व्याख्या अपेक्षित

1- निम्नलिखित में से किसी एक कहानी की समीक्षा कीजिए –
(क) कफन (ख) गुण्डा (ग) पर्दा (घ) तीसरी कसम (ङ) चीफ की दावत (च) डिप्टी कलक्टरी।

(ख)- किसी एक अवतरण की व्याख्या –
(i) लड़ाई के समय चाँद निकल आया था। ऐसा चाँद जिसके प्रकाश को संस्कृत कवियों का दिया हुआ 'क्षमी' नाम सार्थक होता है और हवा ऐसी चल रही थी, जैसे कि बाणभट्ट की भाषा में 'दन्तवीणोपदेशाचार्य' कहलाती है।
(ख) दुनिया का दस्तूर है, नहीं तो लोग बाभनों को हजारों रुपये क्यों देते हैं।
(ग) सच पूछो, तो सन्तान से जितनी नाम चलने की आशा रहती है, उतनी ही नाम डूब जाने की सम्भावना रहती है।
(घ) वह पर्दा ही तो घर भर की औरतों के शरीर का वस्त्र था

खण्ड - ख – उपन्यास – एक प्रश्नोत्तर, दो व्याख्याएँ अपेक्षित

1- गद्यात्मक महाकाव्य के रूप में 'गोदान' का मूल्यांकन कीजिए।
2- 'गोदान' कथाशिल्प पर विचार कीजिए।
3- मालती अथवा मेहता का चरित्र-चित्रण कीजिए।
4- 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।
5- 'मैला आँचल' के किसी एक नारी पात्र का चरित्रांकन करें
6- आंचलिक उपन्यास के रूप में 'मैला आँचल' का मूल्यांकन कीजिए।
7- 'बाणभट्ट की आत्मकथा में सामन्ती जीवन का उत्सवी चित्रण है'- विवेचन कीजिए।

व्याख्याएँ
(i) नारी का जन्म पाकर केवल लांछन पाना सार नहीं है।
(ii) निश्चय ही कोई बड़ा असत्य समाज के सत्य के नाम पर घर बना बैठा है।
(iii) स्वभाव के ज्ञान से विकट समस्याएँ सुलझ जाती हैं।
(iv) पुरुष स्त्री को शक्ति समझकर ही पूर्ण हो सकता है स्त्री स्त्री को शक्ति समझकर अधूरी रह जाती है।
(v) खेती में जो मरजाद है वह नौकरी में तो नहीं है।

(v) बल्कि यथार्थ के निकट होने के कारण ही उनमें इतनी वेदना-शक्ति आ गयी थी।

(vi) मैं वह भोजन चाहता हूँ, जिससे आत्मा की तृप्ति हो।

लघूत्तरी — दो प्रश्नोत्तर अपेक्षित

(क) कहानीकार पाण्डेय बेचन शर्मा उग्र (ख) बंगमहिला की देन (ग) चन्द्रकिरण सौनरेक्सा की कहानियाँ (घ) कहानीकार काशीनाथ सिं (ङ) यशपाल के उपन्यास (च) मन्नू भण्डारी का 'महाभोज' (छ) शिव प्रसाद सिंह के उपन्यास (ज) भगवती चरण वर्मा की 'चित्रलेखा'।

वस्तुनिष्ठ — दस प्रश्नोत्तर अपेक्षित

निम्नलिखित कृतियों के रचनाकारों के नाम लिखें —

(i) 'भूले बिसरे चित्र' (ii) नीला चाँद (iii) झूठा-सच (iv) मनुष्य के रूप (v) अमिता (vi) दिव्या (vii) अलग-अलग वैतरणी (viii) पुनर्नवा (ix) चारुचन्द्र लेख (x) परती-परिकथा (xi) रंगभूमि (xii) सेवासदन (xiii) इन्सान के खण्डहर (xiv) एक और जिन्दगी (xv) जहाँ लक्ष्मी कैद है (xvi) राजा निरबंसिया (xvii) चंदा (xviii) आएँगे अच्छे दिन भी (xix) यही सच है (xx) जिन्दगी और जोंक।

(B.R.A. Bihar University, Muzaffarpur)

P.G. 1st Semester Examination 2016

January Session 2016-18

Sub:- Hindi (Paper 3)

Model Papers

हिन्दी भाषा एवं विज्ञान

खण्ड 'क' (सामान्य भाषा विज्ञान)– दो प्रश्नोत्तर अपेक्षित

1 – भाषा की परिभाषा देते हुए उसके अभिलक्षण पर प्रकाश डालिए।
2 – भाषाविज्ञान की परिभाषा देते हुए उसका स्वरूप स्पष्ट करें
3 – भाषोत्पत्ति के विभिन्न सिद्धान्तों का विवेचन कीजिए।
4 – अर्थ परिवर्तन की दिशाओं का विवेचन कीजिए।
5. – ध्वनि परिवर्तन के कारणों का विवेचन कीजिए।
6 – वाक्य के प्रकारों का विवेचन कीजिए।

खण्ड-'ख' (हिन्दी भाषा) – दो प्रश्नोत्तर अपेक्षित
1 – पूर्वी हिन्दी की बोलियों का परिचय दीजिए।
2 – पश्चिमी हिन्दी की बोलियों का परिचय दीजिए।
3 – अपभ्रंश भाषा का परिचय दीजिए।
4 – हिन्दी सर्वनाम रूपों का परिचय दीजिए।
5 – अवहट्ठ का सामान्य परिचय दीजिए।
6 – राजभाषा के रूप में हिन्दी की स्थिति का विवेचन कीजिए

लघूत्तरी – दो प्रश्नोत्तर अपेक्षित
(क) भोजपुरी (ख) मैथिली (ग) अभिहितान्वयवाद (घ) अन्विताभिधान वाद (ङ) लिपि विज्ञान (च) भाषा परिवर्तन (छ) मगही

वस्तुनिष्ठ – (i) 'निरुक्त' किसकी रचना है? (ii) अष्टाध्यायी के लेखक कौन हैं? (iii) 'भाषाविज्ञान की भूमिका' किसकी पुस्तक है (iv) 'हिन्दी शब्दानुशासन' के लेखक कौन हैं? (v) देवनागरी का विकास किस लिपि से हुआ है? (vi) क्या देवनागरी अर्द्ध अक्षरात्मक लिपि है? (vii) क्या लाक्षणिक प्रयोग अर्थ परिवर्तन का कारण है? (viii) क्या भद्दा भद्र से बना है? (ix) क्या सेठ शब्द श्रेष्ठ से बना है? (x) आगम का एक उदाहरण दीजिए? (xi) क्या गर लोप का उदाहरण है? (xii) क्या घर महाप्राणीकरण का उदाहरण है? (xiii) क्या चिन्ह विपर्यय का उदाहरण है? (xiv) नेह शब्द में लोप है या आगम? (xv) तीन संख्यावाचक विशेषण का विकास क्रम बतावें (xvi) घोषीकरण का एक उदाहरण दें (xvii) अघोषीकरण का एक उदाहरण दें (xviii) समीकरण का एक उदाहरण दें (xix) क्या वैदिक भाषा पूर्णतः योगात्मक थी? (xx) क्या प्राकृत मध्यकालीन भारतीय भाषा है?

P.G. 1st Semester Examination 2016
January Session 2016-18
Sub:- Hindi (Paper 4)
Model Papers
साहित्येतिहास

1- निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) हिन्दी साहित्येतिहास के कालविभाजन और नामकरण के औचित्य पर प्रकाश डालिए।

(ख) आदिकालीन साहित्य-सामग्री का सामान्य परिचय दीजिए।

(ग) सिद्धसाहित्य पर प्रकाश डालिए।

(घ) नाथ साहित्य पर प्रकाश डालिए।

(ङ) संतकाव्य परम्परा में कबीर का स्थान निरूपित कीजिए।

(च) रामकाव्य परम्परा में तुलसी का स्थान निरूपित कीजिए।

(छ) कृष्णकाव्य परम्परा में सूर का स्थान निरूपित कीजिए।

(ज) कृष्णकाव्य की सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

(झ) सूफी काव्य की सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

(ञ) भक्तिकाव्य के प्रेरणास्रोत पर विचार कीजिए।

(ट) रीतिकाल के लिए प्रस्तावित विभिन्न नामों के औचित्य पर विचार कीजिए।

(ठ) रीतिमुक्त काव्यधारा का परिचय दीजिए।

(ड) रीतिकाल की देन पर विचार कीजिए।

(ढ) रीतिकाल के प्रतिनिधि कवि के रूप में बिहारी का मूल्यांकन कीजिए।

2- निम्नलिखित में से किन्हीं दो के लघूत्तर दीजिए:

(क) रासो काव्य किसे कहते हैं? (ख) पुष्टिमार्ग किसे कहते हैं? (ग) निर्गुण भक्ति क्या है? (घ) सगुण भक्ति क्या है? (ङ) नवभक्ति क्या है? (च) शुद्धाद्वैत से क्या समझते हैं? (छ) अद्वैत से क्या समझते हैं? (ज) भक्ति किसे कहते हैं?

3- निम्नलिखित कृतियों के रचनाकारों के नाम लिखिए:

पृथ्वीराज रासो, परमाल रासो, विजयपाल रासो, सन्देश रासक, राउलवेल, उक्ति व्यक्ति प्रकरण, वर्णरत्नाकर, कन्हावत, हठयोग प्रदीपिका, प्राण संकली, भरतेश्वर बाहुबली रास, चन्दनबाला रास, खुमाण रासो, अमरमयंक जस चन्द्रिका, देवमाया प्रपंच, आनन्द रघुनन्दन, भँवर गीत, बीसलदेव रास, चन्दायन, चित्रावली, मृगावती, कहरानामा, मधुमालती, पद्मावत।